मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–106

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.-106 : काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके समक्ष अंकित हैं।

1. संस्कृत काव्यशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकासयात्रा को समझाइए। 20

अथवा

संस्कृत काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का वर्णन कीजिए।

2. अभिधा शब्द-शक्ति का विशद विवेचन कीजिए। 20

अथवा

मम्मट के काव्य-लक्षण की व्याख्या कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. काव्यहेतु का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

महाकाव्य का लक्षण बताइए।

4. भरत के रससूत्र का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

काव्य के प्रयोजन का वर्णन कीजिए।

5. अनुप्रास **अथवा** श्लेष का लक्षण बताते हुए उदाहरण को स्पष्ट कीजिए। 10

6. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा अलंकार है ? लक्षण को बताते हुए स्पष्ट कीजिए : 10

अयं मार्तण्डः किं ? स खलु तुरगैः सप्तभिरितः
कृशानुः किं सर्वाः प्रसरति दिशो नैष नियतम्।
कृतान्तः किं साक्षान्महिषवहनोऽसाविति चिरं
समालोक्याजौ त्वां विदधति विकल्पान् प्रतिभटाः॥

अथवा

कपाले माजिरः पय इति करान् लेढि शशिनः
तरुच्छिद्रप्रोतान् विसमितिकरी सङ्कलयति।
रतान्ते तल्पस्थान् हरति वनिताऽत्यंशुकमिति
प्रभामत्तश्चन्द्रो जगदिदमहो विप्लवयति॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

7. अनुष्टुप् **अथवा** मन्दाकान्ता छन्द का लक्षण देते हुए उसके उदाहरण श्लोक को लिखकर उसका स्पष्टीकरण लिखिए। 10

8. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा छन्द है ? उसका लक्षण बताते हुए स्पष्टीकरण दीजिए : 10

अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतः।
जातो ममायं विशदः प्रकामम्
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥

अथवा

अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा
हिमालयो नाम नगाधिराजः।
पूर्वापरौ तोयनिधी वगाह्यः
स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः॥

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com